भागीरथी बाल शिक्षा सदन सैकेन्ड्री स्कूल (कक्षा-IV)

विषय — हिंदी व्याकरण (पाठ - 1 'भाषा, लिपि और व्याकरण')

भाषा की परिभाषा :— भाषा ऐसा माध्यम है, जिसकी सहायता से हम अपने मन के विचार दूसरों तक पहुँचाते हैं तथा उनके विचारों को समझ पाते हैं।

भाषा के रूप :— मनुष्य भाषा का प्रयोग दो प्रकार से करता है - बोलकर तथा लिखकर। इस प्रकार भाषा के दो रूप होते हैं — (i) मौखिक (ii) लिखित।

लिपि :— भाषा को लिखने का ढंग 'लिपि' कहलाता है। प्रत्येक भाषा की अपनी अलग लिपि होती है; जैसे —

भाषा		लिपि
(i) हिंदी, संस्कृत, मराठी	—	देवनागरी
(ii) पंजाबी	—	गुरुमुखी
(iii) उर्दू	—	फ़ारसी
(iv) अंग्रेजी	—	रोमन
(v) बांग्ला	—	बांग्ला

व्याकरण :— व्याकरण की सहायता से हम शुद्ध बोलना, लिखना और पढ़ना सीखते हैं। अपने विचारों को सही रूप में लिखकर या बोलकर दूसरों तक पहुँचाने के लिए व्याकरण की आवश्यकता होती है।

गृह कार्य :—

प्र० - 1 भारत में बोली जाने वाली किन्ही चार भाषाओं के नाम लिखिए।

प्र० - 2 भारत के संविधान में बोली जाने वाली (संविधान द्वारा स्वीकृत) किन्ही चार भाषाओं व उनकी लिपियों के नाम लिखिए।

प्र० - 3 भाषा, लिपि व व्याकरण की परिभाषा याद करो व लिखो।

प्र - 4 भाषा के कितने रूप हैं? नाम बताइए।

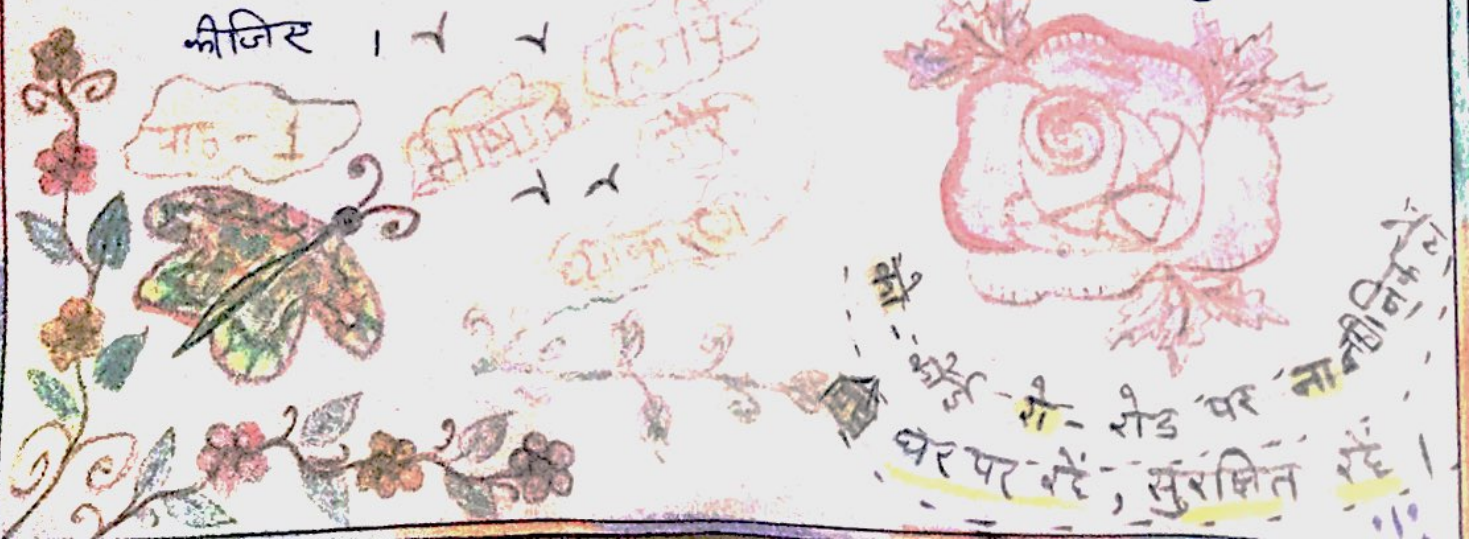

प्र - 5 किन्ही दस कठिन शब्दों का उच्चारण सहित श्रुतलेख कीजिए।